SISE & CTE, JABALPUR

ONLINE CLASS SESSION

- Date : 29/04/2020
- Coordinator : Smt. Shamimun Nisa
- Class : B.Ed. 4th Sem
- Time : 02 to 02:40 PM
- Subject : Gender School & Society
- Topic : समाजीकरण का अभिकरण, बाल व्यव्हार पर समाजीकरण का प्रभाव, समाजीकरण में लैंगिक भिन्नता एवं लैंगिक समाजीकरण के सैद्धांतिक उपागम|
- TLM Used : PDF
- Attendance : 50 %

Gender School & Society Class5.pdf - Adobe Reader
ID: 757-6625-0933 Stop Share
File Edit View Window Help
3 / 5 100% Tools Sign Comment

(Gender Differential in Socialisation)

बाल्यावस्था से ही लैंगिक भिन्नता परिलक्षित होने लगती है। समाजीकरण के स
में बालक तथा बालिकाओं के आपसी सम्बन्धों में परिवर्तन आने लगते हैं। इससे पूर्व ब
तथा बालिकाओं में लैंगिक विभिन्नता अधिक नहीं होती है। किशोरावस्था से पूर्व अधिक
सामाजिक वर्गों का निर्माण अपने ही लिंग के साथ होता है। उदाहरण के लिए बालक बा
के समूह में तथा बालिकाएँ बालिकाओं के समूह में रहना पसन्द करते हैं, परन्तु किशोरा
के आगमन पर उनका समाजीकरण बदल जाता है। इनका विपरीत लिंग के प्रति आक
बढ़ जाता है। इस अवस्था में संवेगों का विकास तीव्र गति से होता है, जिससे लड़के
लड़कियाँ अपने अंतरंग मित्र बनाते हैं। इनके मित्रों का समूह समलिंगी एवं विषमलिंगी
प्रकार का होता है। सांवेगिक विकास के कारण इनमें लड़ाइयाँ एवं घनिष्ठता भी शीघ्र ही
हैं। किशोरावस्था में मित्रों के चुनाव की कसौटी अपेक्षाकृत अधिक खरी होती है। इनके
मित्रों का चयन एक समस्या होती है। लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की मित्रता शीघ्र
टिकाऊ होती है। बालक जैसे-जैसे किशोरावस्था में प्रवेश करता है, उसकी सामा
अन्तर्दृष्टि बढ़ जाती है। वह विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों का प्रत्यक्षीकरण भली-
करने लगता है।

लैंगिक समाजीकरण के सैद्धान्तिक उपागम

Shamimun Nisa
Varsha Choudhary
Participants (3)
Shamimun Nisa (Host, me)
Tr Pavan Pandey
Varsha Choudhary
Invite Mute All Unm
Type here to search
29-04-2020

Gender School & Society Class5.pdf - Adobe Reader
ID: 757-6625-0933 Stop Share
File Edit View Window Help
1 / 5 100% Tools Sign Comment

(Agencies of Socialization)

बच्चे के समाजीकरण में विभिन्न साधनों का योगदान होता है, इनमें निम्नलिखित संस्थाएँ तथा कारक मुख्य हैं—

1. सामाजिक संस्थाएँ—परिवार के अतिरिक्त अनेक ऐसी संस्थाएँ हैं, जिनके सम्पर्क में बड़ा होने पर आता है, जैसे- धार्मिक, राजनैतिक संस्थाएँ इत्यादि। ये संस्थाएँ व्यक्तित्व के विकास और सामाजिक आदर्शों को सिखाने में सहायक होती हैं।

2. परिवार—परिवार समाज की महत्वपूर्ण संस्था है, जिसमें बच्चे का पालन-पोषण होता है। इसलिए बच्चे का समाजीकरण परिवार द्वारा आरम्भ होता है। परिवार का प्रभाव ही बच्चे के व्यक्तित्व का विकास करता है। प्रो. जानसन ने लिखा है, "परिवार विशेष रूप से इस प्रकार संगठित रहता है, जो समाजीकरण को सम्भव बनाता है।"

3. स्कूल—स्कूल का जीवन भी समाजीकरण में सहायक होता है। शिक्षक का व्यक्तित्व, रहन-सहन, अनुशासन आदि उसे प्रभावित करते हैं और वह उनका आत्मीकरण करता है।

4. पड़ोसी—परिवार के बाद पड़ोस का स्थान मुख्य है। पड़ोसियों के सम्पर्क में आने से बच्चों में दूसरों के व्यवहार को ग्रहण करने की प्रतिक्रिया आरम्भ शुरू होती है।

5. साथी—जब बच्चा कुछ बड़ा हो जाता है तो वह अपने ही तरह के अन्य बच्चों के सम्पर्क में आता है, अतः इस स्तर पर वह दूसरों से प्रभावित होता है।

6. मानसिक क्षेत्र—मानसिक क्षेत्र भी समाजीकरण को प्रभावित करता है। मानसिक क्षेत्र के अनुसार व्यक्ति केवल उन सामाजिक आदर्शों को अपनाता है, जिन्हें वह अपने लिए आवश्यक समझता है।

Shamimun Nisa
Varsha Choudhary
Participants (3)
Shamimun Nisa (Host, me)
Tr Pavan Pandey
Varsha Choudhary
Invite Mute All Unm
Type here to search
29-04-2020

Gender School & Society Class5.pdf - Adobe Reader
ID: 757-6625-0933 Stop Share
File Edit View Window Help
3 / 5 100%
Tools Sign Comment

प्रकार का होता है। सांवेगिक विकास के कारण इनमें लड़ाइयाँ एवं घनिष्ठता भी शीघ्र ही होती हैं। किशोरावस्था में मित्रों के चुनाव की कसौटी अपेक्षाकृत अधिक खरी होती है। इनके मित्रों का चयन एक समस्या होती है। लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की मित्रता शीघ्र टिकाऊ होती है। बालक जैसे-जैसे किशोरावस्था में प्रवेश करता है, उसकी सामा अन्तर्दृष्टि बढ़ जाती है। वह विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों का प्रत्यक्षीकरण भली- करने लगता है।

लैंगिक समाजीकरण के सैद्धान्तिक उपागम
(Theoretical Approaches of Gender Socialisation)

लैंगिक समाजीकरण के सैद्धान्तिक उपागम निम्नलिखित हैं—

1. पुनर्बलन सिद्धान्त—समाज की उपेक्षित मान्यताएँ, मूल्य एवं व्यवहार को अप पर दोनों लिंगों को पुनर्बलित किया जाता है। यानि समाज द्वारा मान्य व्यवहार करने पर बोलकर उनकी प्रशंसा की जाती है और इस प्रकार के प्रशंसात्मक अनुमोदन के कारण ल और लड़कियों को वैसे ही प्रशंसित व्यवहार बार-बार करना अच्छा लगता है। समाज जो अनुमोदित व्यवहार नहीं होते हैं, उन व्यवहारों को करने पर दोनों लिंग को रोका-टो जाता है, जिससे वे इन व्यवहारों को नहीं करते हैं।

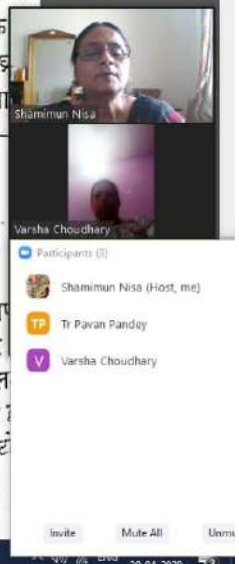

Type here to search
29-04-2020

Gender School & Society Class5.pdf - Adobe Reader
ID: 757-6625-0933 Stop Share
File Edit View Window Help
4 / 5 100%
Tools Sign Comment

2. संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त—यह सिद्धान्त इस बात को सत्यापित करता है कि लड़के-लड़कियाँ समाज की उपेक्षित मान्यताओं को आँख बन्द कर ज्यों का त्यों नहीं अपनाते, बल्कि तर्क द्वारा भली भाँति विश्लेषण करने के बाद ही उन व्यवहारों को अपनाते हैं। इस प्रकार यह सिद्धान्त यह बताता है कि समाजीकरण की प्रक्रिया में तर्क एवं चिन्तन की भी अहम् भूमिका है, जो किसी भी कार्य को करने के पीछे के तर्क को समझकर ही उन कार्यों को करता है।

3. सामाजिक अधिगम सिद्धान्त—यह सिद्धान्त इस बात पर बल देता है कि बच्चा अधिकतर बातें दूसरों के व्यवहार को देखकर ही सीख जाता है। लड़के और लड़कियाँ भी दूसरे के व्यवहारों को देखकर ही सीखते हैं। लड़के, पुरुषों के व्यवहार को देखकर अपनी भूमिका तय करते हैं। लड़कियाँ, महिलाओं के कार्यों और उनकी भूमिका को देखकर अपनी भूमिका तय करती हैं। समाजीकरण की प्रक्रिया में इसी सिद्धान्त का सबसे अधिक प्रयोग किया जाता है। महिलाओं की भूमिका जिस प्रकार की होती है, लड़कियाँ उन्हीं भूमिकाओं को देखकर व्यवहार करती हैं। कपड़े, बोलचाल, लज्जा एवं सीमाएँ, साज-श्रृंगार, स्वतन्त्रता, समानता सभी का अवलोकन करने के बाद अपने व्यवहार में शामिल करती हैं।

इसी प्रकार लड़के भी, पुरुषों के व्यवहार जैसे- शक्ति, कपड़े, सीमाएँ, स्वतन्त्रता, समानता एवं अन्य भूमिकाओं का अनुसरण करने लगते हैं। दोनों ही लिंग विभिन्न तरीकों से समाजीकरण का प्रशिक्षण प्राप्त करते रहते हैं।

लैंगिक समाजीकरण के प्रमुख स्तर (Main Stages of Gender Socialisation)

टालकाट पारसन्स तथा जॉनसन के अनुसार समाजीकरण की 4 अवस्थाएँ होती हैं—

1. मौखिक अवस्था (Oral Stage)
2. शौच अवस्था (Anal Stage)

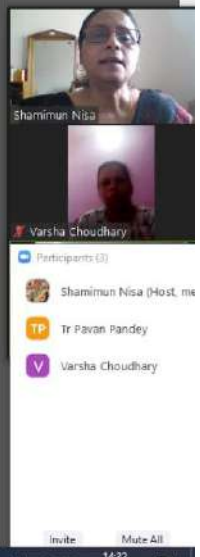

Type here to search
ENG 14:32 29-04-2020

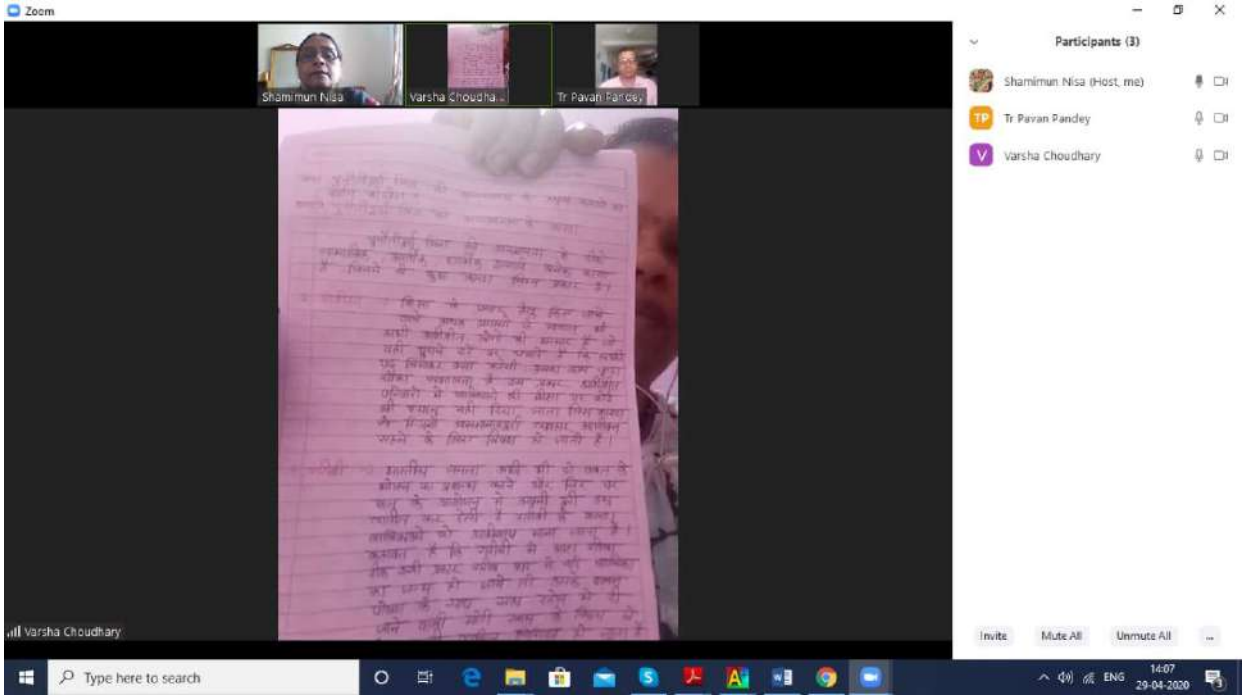
Zoom
Shamimun Nisa
Varsha Choudha...
Tr Pavan Pandey
Participants (3)
Shamimun Nisa (Host, me)
Tr Pavan Pandey
Varsha Choudhary
Varsha Choudhary
Invite
Mute All
Unmute All
Type here to search
ENG
14:07
29-04-2020

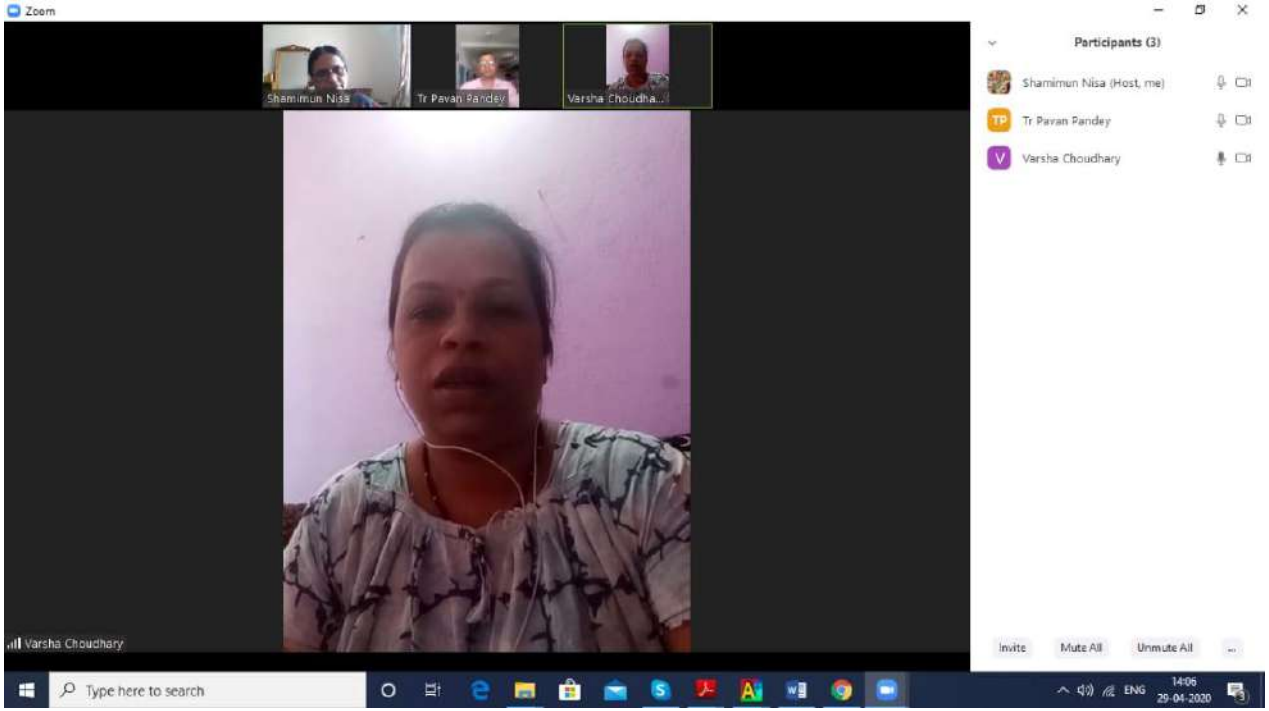
Zoom
Shamimun Nisa
Tr Pavan Pandey
Varsha Choudha...
Participants (3)
Shamimun Nisa (Host, me)
Tr Pavan Pandey
Varsha Choudhary
Varsha Choudhary
Invite
Mute All
Unmute All
Type here to search
ENG
14:06
29-04-2020